Total No. of Printed Pages—4

3 SEM TDC HINH (CBCS) C 5

2024

(Nov/Dec)

HINDI

(Core)

Paper : C–5

(छायावादोत्तर कविता)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) कवि केदारनाथ अग्रवाल पेशे से क्या थे?

(ख) नागार्जुन किस नाम से मैथिली में कविता करते थे?

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' ने 'नगपति' किसे कहा है?

(घ) 'एक भारतीय आत्मा' किस कवि को कहा गया है?

(ङ) अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

(च) 'गीत फरोश' नामक कविता के रचयिता कौन हैं?

(छ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस सप्तक के कवि हैं?

(ज) 'रात हेमंत की' कविता की रचना कब हुई थी?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) 'पक्षी दिन' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

(ख) रामधारी सिंह 'दिनकर' का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) अज्ञेय ने उषाकाल को बावरा अहेरी (पागल शिकारी) क्यों कहा है?

(घ) गिरिजा कुमार माथुर का जीवन-परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ङ) 'पुष्प की अभिलाषा' क्या है?

3. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) "माती थाप हवा की पड़ती,
पेड़ों की बज रही ढुलकिया,
जी भर फाग पखेरू गाते,
ढरकी रस की राग-गगरिया!
मैंने ऐसा दृश्य निहारा,
मेरी रही न मुझे खबरिया,
खेतों के नर्तन-उत्सव में,
भूला तन-मन गेह-डगरिया।"

(Continued)

अथवा

"दुर्गम बर्फानी घाटी में,
शत-सहस्र फुट उच्च शिखर पर,
अलख नाभि से उठने वाले,
अपने ही उन्मादक परिमल,
के ऊपर धावित हो-होकर
तरल-तरुण कस्तूरी मृग को,
अपने पर चिढ़ते देखा है।"

(ख) "कैसी अखण्ड यह चिर-समाधि?
यतिवर! कैसा यह अमिट ध्यान?
तू महाशून्य में खोज रहा
किस जटिल समस्या का निदान?
उलझन का कैसा विषम जाल?"

अथवा

"नभ साफ हुआ, तारे चमके,
निशि के चमकीले गान लिखे।
काले अंतस में अमर चमक,
बातें अपना अरमान लिखे।
क्यों उषा झाड़ू फेर चली?
नभ पर जरा विश्वास करो।"

(ग) "साँप!
तुम सभ्य तो हुए नहीं
नगर में बसना
भी तुम्हें नहीं आया।
एक बात पूछूँ (उत्तर दोगे?)
तब कैसे सीखा डँसना—
विष कहाँ पाया?"

(Turn Over)

अथवा

"जी, माल देखिये दाम बताऊँगा,
बेकाम नहीं हैं, काम बताऊँगा,
कुछ गीत लिखे हैं मस्ती में मैंने,
कुछ गीत लिखे हैं पस्ती में मैंने,
यह गीत, सख्त सरदर्द भुलायेगा,
यह गीत पिया को पास बुलायेगा।"

(घ) "कितनी चुप-चुप गई रोशनी, छिप-छिप आयी रात,
कितनी सिहर-सिहर कर अधरों से फूटी दो बात,
चार नयन मुस्काये, खोये, भींगे, फिर पथराये,
कितनी बड़ी विवशता-जीवन की कितने कह पाये।"

अथवा

"धूप चंदन रेख सी। सल्मा सितारा साँझ होगी।
चाँदनी होगी न तपसिनी। दिन बना होगा न योगी।
जब कली के खुले अंगों पर लगेगी;
रंग छाप वसंत की।"

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×2=24

(क) रामधारी सिंह 'दिनकर' का जीवन-परिचय देते हुए 'बुद्धदेव' कविता का सारांश लिखिए।

(ख) केदारनाथ अग्रवाल का साहित्यिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ग) "भवानी प्रसाद मिश्र में भावों की सहजता का प्रधान है।" 'लुहार से' कविता के आधार पर बताइए।

(घ) गिरिजा कुमार माथुर की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

★★★

Total No. of Printed Pages—3

3 SEM TDC HINH (CBCS) C 6

2024

(Nov/Dec)

HINDI

(Core)

Paper : C-6

(भारतीय काव्यशास्त्र)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) "ननु शब्दार्थौ काव्यम्" —यह कथन किसका है?

(ख) 'काव्य-प्रकाश' किसकी रचना है?

(ग) 'ध्वनि' को काव्य की आत्मा सर्वप्रथम किसने माना है?

(घ) मम्मट ने काव्य के कितने प्रयोजन बताए हैं?

(ङ) शृंगार रस का स्थायीभाव क्या है?

(च) साधारणीकरण के बिना कौन-सी प्रक्रिया नहीं हो सकती?

(छ) किस आचार्य ने काव्य में औचित्य को अत्यधिक महत्त्वपूर्ण माना है?

(ज) वामन ने रीति को काव्य का क्या माना है?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 4×4=16

(क) काव्य-प्रयोजन

(ख) शब्दालंकार एवं उसके तीन भेदों के नाम

(ग) साधारणीकरण

(घ) वक्रोक्ति सम्प्रदाय

(ङ) औचित्य की अवधारणा

(च) रीति और गुण

3. काव्य के विभिन्न लक्षणों को दृष्टि में रखते हुए उनके स्वरूप का विवेचन कीजिए। 14

अथवा

काव्य-प्रयोजन विषयक विभिन्न आचार्यों के मतों का प्रतिपादन कीजिए।

4. 'रस निष्पत्ति' के संबंध में विभिन्न आचार्यों के मतों का उल्लेख करते हुए उनमें से आप किसे समीचीन मानते हैं, स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

अलंकार के विकास पर प्रकाश डालते हुए इस सिद्धांत की प्रमुख मान्यताओं का परिचय दीजिए।

5. ध्वनि सिद्धांत के मानने वाले आचार्यों की मान्यता पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं का वर्णन करते हुए उनका मूल्यांकन कीजिए।

6. औचित्य सिद्धांत के स्वरूप का वर्णन करते हुए इसके प्रमुख भेदों पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

वक्रोक्ति का अर्थ बताते हुए विभिन्न विद्वानों द्वारा स्थापित वक्रोक्ति सिद्धांत का परिचय दीजिए।

★★★